बाल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री चरण सिंह का सन्देश

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 14 / 11 / 1979

मित्रो,

इस अन्तर्राष्ट्रीय बाल–वर्ष में, बाल–दिवस पर उपेक्षित बच्चों की ओर हमारा ध्यान जाना चाहिए। महानगरों में बहुत से बच्चे सड़कों पर ही पैदा होते हैं। गांवों के अधिकांश बच्चों को ऐसी उम्र में काम करने पर मजबूर होना पड़ता है, जबकि उन्हें खेलना–कूदना, नाचना–गाना और पढ़ना चाहिए। जब तक हम में गरीबों के प्रति सहानुभूति नहीं होगी, बाल–दिवस मनाना एक रिवाज सा ही लगता है और वो एक प्रकार से स्वयं को धोखा देने की बात होगी। हमारे देश में 25 करोड़ से अधिक बच्चे 14 वरस से कम आयु के हैं और उनमें से 80 प्रतिशत गांवों में रहते हैं। उनकी आयु में मृत्यु की दर बहुत अधिक है। बच्चों के प्रति हमारी संवैधानिक बचनबद्धता और राष्ट्रीय बालनीति हमारे कार्यों में परिलक्षित होनी चाहिए। न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम निष्ठा के साथ लागू किया जाना चाहिए ताकि स्वास्थ्य तथा शिक्षा जैसी मौलिक आवश्यकताओं को यथाशीघ्र पूरा किया जा सके। इन मामलों में गति धीमी नहीं होनी चाहिए। केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों, सामाजिक संगठनों तथा व्यक्तियों को मिल–जुलकर गरीबी, सामाजिक और आर्थिक विषमता तथा बेरोजगारी दूर करनी चाहिए। रोगों से बचने के लिए योजनाएं तैयार की जानी चाहिए तथा स्वास्थ्य और बाल चिकित्सा केन्द्रों की स्थापना की जानी चाहिए। सरकार की शिक्षा नीति में गरीब बच्चों को मध्यान्ह भोजन, मुफ्त पोशाक तथा मुफ्त पाठ्य पुस्तकें जैसे विशेष प्रोत्साहन देने के प्रस्ताव भी हैं।

बच्चों से मजदूरी कराना तभी खत्म किया जा सकता है, जब इसके खिलाफ कानून बनाने के साथ–साथ ऐसे प्रोत्साहन तथा वयस्कों को पूरा रोजगार भी देने की योजनाएं बनाई जायें। बाल–कल्याण कार्यों मं लगे सभी लोगों में बच्चों के प्रति स्नेह और अनुराग होना चाहिए। वे ही लोग बच्चों की सेवा कर सकते हैं, जिनके हृदय में बच्चों के लिए कुछ प्यार होता है। अगर ऐसा नहीं होगा तो हमारी योजनाएं बेकार हो जायेंगी और उन पर जो खर्च होगा वो बेकार जायेगा।

मैं सभी से, विशेषकर समृद्ध परिवारों से अपील करूंगा कि वो उदारतापूर्वक राष्ट्रीय बाल कोष में दान दें। जब तक हमारे बच्चे प्रफुल्ल, स्वस्थ, शिक्षित नहीं होंगे और जब तक उन्हें अच्छा भोजन और कपड़ा नहीं मिलेगा, हमारा देश उन्नति नहीं कर सकेगा। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर, हर रोज और हर साल, खासकर आज के दिन, और इस वर्ष हमें बाल कल्याण कार्य के प्रति समर्पित होना चाहिए।

————0————